पाठ 12. घमंड का फल

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को घमंड न करने की सीख देना है। इस कहानी द्वारा बच्चे समझ पाएँगे कि वस्तु या व्यक्ति छोटा हो या बड़ा सभी का अपना विशेष स्थान और महत्व होता है।

पाठ का सारांश

एक बार जंगल के पेड़ों में बहस छिड़ जाती है कि सबसे ज़्यादा शक्तिशाली कौन है? सभी पेड़ एक-एक करके अपनी श्रेष्ठता बताने लगते हैं। ज़मीन पर उगी दूब ने उन सबको समझाना चाहा कि जो ताकत का घमंड करता है वही सबसे कमज़ोर होता है। पेड़ों ने दूब की बात नहीं मानी और उसपर हँसने लगे। एक दिन जंगल में तूफ़ान आया। तूफ़ान इतना तेज़ था कि उसने घमंड से भरे सभी पेड़ों को धराशायी कर दिया। जो पेड़ जितना अकड़कर खड़ा था उसको तूफ़ान ने उतनी ही जल्दी उखाड़ दिया। दूब ने अपने आपको ज़मीन से चिपका लिया तथा तूफ़ान को अपने ऊपर से गुज़र जाने दिया। जब सब कुछ शांत हो गया तो जंगल के सभी पेड़ दर्द से कराह रहे थे। सिर्फ़ दूब ही अकेली थी जो उन पेड़ों के बीच हवा के झोंकों के संग खेल रही थी। अतः हमें कभी घमंड नहीं करना चाहिए।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ से मिलने वाली शिक्षा के संबंध में बच्चों से चर्चा करें। बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ—

- तुम्हें यह कहानी कैसी लगी?
- समझाएँ, घमंड करना गलत बात होती है।
- हमें किसी से बहस या झगड़ा नहीं करना चाहिए। सबसे नम्रता से बात करनी चाहिए।
- बच्चों को आसान उदाहरणों की सहायता से सामान्य क्रिया तथा प्रेरणार्थक क्रिया का अंतर स्पष्ट करें।
- समझाएँ, यदि तुमसे गलती हो जाए तो उसकी माफ़ी अवश्य माँगनी चाहिए तथा दूसरों से गलती हो जाने पर उन्हें क्षमा कर देना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।